A–0846

Total Pages : 5 **Roll No. .....**

MAHR-501

Master of Arts in Human Rights (MAHR)

Historical and Philosophical Perspectives on Human Rights

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

Note* :–** This paper is of Seventy (70) marks divided into Two (02) Sections 'A' and 'B'. Attempt the questions contained in these Sections according to the detailed instructions given therein. ***Candidates should limit their answers to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

Section–A

(खण्ड–क)

Long Answer Type Questions

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) (2×19=38)

***Note* :–** Section 'A' contains Five (05) Long-answer type questions of Nineteen (19) marks each. Learners are required to answer any *two* (02) questions only.

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Critically examine the meaning and nature of human rights with reference to their philosophical foundations.

   मानवाधिकारों के दार्शनिक आधारों के संदर्भ में उनके अर्थ और प्रकृति का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

2. Analyze the significance of the Magna Carta (1215) in the evolution of human rights.

   मानवाधिकारों के विकास में मैग्ना कार्टा (1215) के महत्व का विश्लेषण कीजिए।

3. Discuss the philosophical foundations of human rights with special reference to natural law theory.

प्राकृतिक विधि सिद्धान्त (Natural Law Theory) के विशेष संदर्भ में मानवाधिकारों के दार्शनिक आधारों पर चर्चा कीजिए।

4. Describe the concept and classification of duties.

कर्तव्यों की अवधारणा और वर्गीकरण का वर्णन कीजिए।

5. Explain the sociological theory of rights and analyze how society, rather than the individual alone, becomes the basis for the origin and development of rights.

अधिकारों के समाजशास्त्रीय सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए तथा विश्लेषण कीजिए कि किस प्रकार समाज, केवल व्यक्ति के बजाय अधिकारों की उत्पत्ति और विकास का आधार बनता है ?

Section–B

(खण्ड–ख)

Short Answer Type Questions

(लघु उत्तरीय प्रश्न) (4×8=32)

***Note* :–** Section 'B' contains Eight (08) Short-answer type questions of Eight (08) marks each. Learners are required to answer any *four* (04) questions only.

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Define the concept of human dignity in the context of human rights.

   मानवाधिकारों के संदर्भ में मानव गरिमा (Human Dignity) की अवधारणा को परिभाषित कीजिए।

2. Discuss any two international instruments that protect human rights.

   मानवाधिकारों की रक्षा करने वाले दो अन्तर्राष्ट्रीय उपकरणों (International Instruments) पर चर्चा कीजिए।

3. What is meant by the historical development of human rights ?

   मानवाधिकारों के ऐतिहासिक विकास से क्या अभिप्रेत है ?

4. How did the American Declaration of Independence (1776) influence human rights ?

   अमेरिकी स्वतंत्रता घोषणा (1776) ने मानवाधिकारों को कैसे प्रभावित किया ?

5. What is the key criticism Bentham made against natural rights ?

   प्राकृतिक अधिकारों (Natural Rights) के विरुद्ध बेंथम द्वारा की गई मुख्य आलोचना क्या थी ?

6. What role does human dignity play in philosophical theories of rights ?

अधिकारों के दार्शनिक सिद्धान्त में मानव गरिमा क्या भूमिका निभाती है ?

7. Define the term 'duty' in the context of social and legal obligations.

सामाजिक और कानूनी दायित्वों के संदर्भ में 'कर्तव्य (Duty) शब्द की परिभाषा दीजिए।

8. Why duties are considered essential for the protection of rights ?

अधिकारों की सुरक्षा के लिए कर्तव्यों को आवश्यक क्यों माना जाता है ?

****